रजिस्टर्ड/सील्ड

उत्तर प्रदेश शासन

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2

संख्या-112/2018/4078/22-2-2017-17(180)/2007

लखनऊ: दिनांक: 24 जनवरी, 2018

आदेश

उत्तर प्रदेश के मा0 राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद-161 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए **केन्द्रीय कारागार, आगरा** के सिद्धदोष **बन्दी रामबाबू (बन्दी संख्या-2984) पुत्र श्री बहोरी गिरी, निवासी-गन्दा नाला डाकखाने वाली गली, थाना-कोतवाली नगर, जनपद-बुलन्दशहर,** जिन्हें **सत्र परीक्षण संख्या-324/1991** के अन्तर्गत भारतीय दण्ड विधान की **धारा-302, 25/4 आर्म्स एक्ट** के अधीन **दिनांक 08.04.1992** को **मा0 पंचम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बुलन्दशहर** द्वारा **मृत्युदण्ड से दण्डित किया गया**, जिसे मा0 उच्च न्यायालय के आदेश **दिनांक 03.09.1993 द्वारा आजीवन कारावास की सजा में परिवर्तित** किया गया की शेष सजा का परिहार करते हैं] तथा यह आदेश देते हैं कि उक्त बन्दी द्वारा अपनी शेष दण्डावधि में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए **जिला मजिस्ट्रेट, बुलन्दशहर** के संतोषानुसार दो जमानतें तथा उतनी ही धनराशि का एक जाती मुचलका प्रस्तुत करने पर बन्दी को कारागार से मुक्त कर दिया जाय।

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर
संयुक्त सचिव।

संख्या-112/2018/4078(1)/22-2-2017 तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- महानिरीक्षक, कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उ0प्र0, लखनऊ।
2- जिला मजिस्ट्रेट, बुलन्दशहर।
3- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बुलन्दशहर।
4- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, आगरा।
5- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
6- कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-3, उत्तर प्रदेश शासन।
7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in